

आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 18.10.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :-

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत को 96 करोड़ रुपये की 16 विकास योजनाओं की सौगात दी है।
- राज्यपाल गुरमीत सिंह का कार्यकाल पूरा होने के बाद आज लोक भवन देहरादून से विदा हुए।
- देहरादून के दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए व्यवस्थाओं में बदलाव हो रहा है।
- शारदीय नवरात्र के दुर्गा अष्टमी पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत को दी लगभग 96 करोड़ रुपये की 16 विकास योजनाओं की सौगात दी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस एवं देवभूमि रजत जयंती पार्क का लोकार्पण किया। साथ ही विकासखंड चम्पावत की प्रत्येक ग्राम सभा को 10 लाख रुपये देने की घोषणा और न्याय पंचायतों में सामुदायिक भवन बनाने की भी श्री धामी ने घोषणा की है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुनी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चम्पावत को आदर्श जनपद के रूप में विकसित करना राज्य सरकार का संकल्प है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह

राज्यपाल गुरमीत सिंह का कार्यकाल पूरा होने के बाद आज लोक भवन देहरादून से विदा हुए। इस अवसर पर पीएसी की टुकड़ी द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल ने लोक भवन परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग, समर्पण और टीम भावना के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में बिताए गए पांच वर्ष उनके जीवन का विशेष और यादगार समय रहे हैं। इस दौरान उन्हें प्रदेश की जनता से आत्मीय जुड़ाव बनाने और जनसेवा के विभिन्न अवसरों पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त हुआ। इससे पूर्व, एक संक्षिप्त कार्यक्रम में राज्यपाल ने अपने जीवन पर आधारित पुस्तक “अनथक युयुत्सा” का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी फिल्म

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस दौरान विश्वप्रसिद्ध ब्रिटिश संगीत समूह 'द बीटल्स' पर आधारित अंतरराष्ट्रीय फिल्म परियोजना की शूटिंग उत्तराखण्ड में किए जाने के संबंध में चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि 'क्लोवर' नाम से प्रस्तावित फिल्म परियोजना की शूटिंग फरवरी 2027 में ऋषिकेश स्थित ऐतिहासिक चौरासी कुटिया (बीटल्स आश्रम) में की जानी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश की विश्वभर में योग एवं आध्यात्मिक नगरी के रूप में विशिष्ट पहचान बन रही है।

कोटद्वार

कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के हल्दुखाता तल्ला में 400 केवी क्षमता का विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने की दिशा में पहल की गई है। लगभग 675 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित यह परियोजना पूरी होने पर उत्तराखण्ड के प्रमुख विद्युत उपकेंद्रों में शामिल होगी। इससे कोटद्वार सहित पौड़ी गढ़वाल जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलने और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

वर्तमान में कोटद्वार क्षेत्र को सतपुली स्थित विद्युत उपकेंद्र से बिजली की आपूर्ति की जा रही है। हल्दुखाता तल्ला में प्रस्तावित नए उपकेंद्र के निर्माण से विद्युत आपूर्ति की क्षमता और गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही भविष्य में बढ़ने वाली बिजली की मांग को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूजी भूषण के प्रयासों से इस महत्वाकांक्षी परियोजना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

दून मेडिकल कॉलेज

देहरादून के दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए व्यवस्थाओं में बदलाव हो रहा है। इमरजेंसी की सुरक्षा, जांच व्यवस्था में सुधार और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार के साथ कैंसर उपचार सुविधाओं को विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। इमरजेंसी के पास अतिरिक्त गेट और नया वेंटिंग एरिया तैयार करने की योजना भी है, जिससे मरीजों और तीमारदारों की भीड़ को व्यवस्थित किया जा सके। दून अस्पताल के एमएस डॉ. आरएस बिष्ट ने बताया कि सैंपल कलेक्शन और जांच रिपोर्ट वितरण की अलग व्यवस्था विकसित की जा रही है।

शारदीय नवरात्र

शारदीय नवरात्र के दुर्गा अष्टमी पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ उमड़ रही है। पौड़ी गढ़वाल के मां भुवनेश्वरी, मां ज्वाल्पा देवी और मां धारी देवी सहित विभिन्न सिद्धपीठों में भक्त बड़ी संख्या में पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं। टिहरी जिले के प्रमुख सिद्धपीठों में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। चंद्रकूट पर्वत स्थित मां चंद्रबदनी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उधर रानीखेत स्थित झूला देवी मंदिर में श्रद्धालुओं और पर्यटक श्रद्धालुओं की लंबी कतार मां के दर्शनों को लगी है। मां दुर्गा को समर्पित यह मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र है। बागेश्वर नगर के भीलेश्वर पर्वत पर स्थित मां चंडिका मंदिर बागेश्वर की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मां चंडिका को नगरदेवी के रूप में पूजा जाता है। शारदीय और चौत्र नवरात्र में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

रामलीला

प्रदेश में इन दिनों रामलीलाओं का मंचन हो रहा है। कुमाऊं की रामलीला पहाड़ की संस्कृति, भाषा और लोक कला का जीवंत संगम है। यहां आयोजित हो रही रामलीला की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह बंद मंच पर, रात के समय, और पूरी तरह से शास्त्रीय संगीत पर आधारित होती है। जिसमें चौपाई, दोहा और संवाद शुद्ध हिंदी और कुमाऊं की खड़ी बोली में बोले जाते हैं। पात्र मंच पर आकर पहले संस्कृतनिष्ठ हिंदी में संवाद करते हैं, फिर उसे पहाड़ी लहजे में समझाते हैं, ताकि आम जनमानस आसानी से समझ सके। कुमाऊं की रामलीला मंचन से जुड़े राहुल बिष्ट बताते हैं कि कुमाऊं की रामलीला संगीत पर आधारित है।

उत्तरकाशी

उत्तरकाशी जिले में खेल महाकुंभ मुख्यमंत्री चौम्पियनशिप ट्रॉफी 2026 के अंतर्गत नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय स्पीड क्लाइंबिंग प्रतियोगिता का समापन हो गया है। जिसमें विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को नगर पालिका परिषद बाड़ाहाट के अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्पीड क्लाइंबिंग केवल शारीरिक ताकत का खेल नहीं है, बल्कि यह पलक झपकते ही सही निर्णय लेने और खुद को चुनौती देने की एक कला है।

कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेला

टिहरी गढ़वाल जिले के नरेंद्रनगर में आयोजित 50वें सिद्धपीठ मां श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले की सातवीं सांस्कृतिक संध्या लोकगीतों और शानदार नृत्य प्रस्तुतियों के नाम रही। गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी के सदाबहार गीतों और मशहूर डांसर दीक्षा बडोनी की प्रस्तुतियों का बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने नरेंद्र सिंह नेगी के संगीत सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि करीब 40 से 45 वर्ष पहले नेगी जी की गीत-संगीत यात्रा को नरेंद्रनगर और कुंजापुरी मेले के मंच से विशेष पहचान मिली थी।